13 (3) सामाजिक कौशल का विकास :— दृष्टिबाधित बच्चों के लिए समाजीकरण एक समस्या है। इनमें सामाजिक कौशल का अभाव होता है। इन्हें अपने साथी बच्चों द्वारा हीन दृष्टि से देखा जाता है। वे इन्हें आसानी से अपना नहीं पाते। अतः इनमें सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए शाब्दिक अभिप्रेरणा दी जानी चाहिए। सामाजिक अच्छे व्यवहारों के लिए प्रोत्साहित किया जाये। साथी समुह द्वारा अपनाया जाये। कक्षा में बोलने का अवसर दिया जाये, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास हो सके। उत्तम आचरण का प्रशिक्षण दिया जाये।

(4) दिनचर्या संबंधी कौशल :— दृष्टि दोष होने के कारण ये बालक अपनी दिनचर्या संबंधी गतिविधियाँ भी सुचारु रुप से नहीं कर पाते। इन्हें बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस प्रकार इन बच्चों को उचित मार्गदर्शन व अनुभव द्वारा इनके द्वारा इनके खाने सम्बन्धी कौशल, कपड़े पहनना अपने आपको स्वच्छ रखना, नहाना, खरीदारी मशीनी उपकरण का प्रयोग, खाना बनाना व अपना बिस्तर लगाना आदि दिनचर्या सम्बन्धी कौशलों को विकसित किया जा सकता है। इस प्रकार ये बच्चों को कठिनाईयों का निदान करना सिखाते हैं ताकि वे अपने आपको आत्मविश्वासी

❖ Self trust is the essence of heroism.

Scanned with CamScanner

बना सके।

(5) सहायक सामग्री का प्रयोग :—

तकनीकी विकास ने दृष्टि बाधित बच्चों के लिए भी सामान्य बच्चों की तरह नम्यतापूर्ण कार्य करना आसान बना दिया है। आंशिक व पूर्ण अन्धों के लिए बोलने वाले कैलकुलेटर का प्रयोग किया जाता है। इसमें संख्यात्मक प्रविष्टियों को ईयर फ्लग द्वारा ऊँचा बोला जाता है। संख्यात्मक घड़ियों व मैगनिफाइंग शीशा का भी प्रयोग बड़ा है। इस प्रकार के शीशे द्वारा हम मुद्रित सामग्री को बिना ब्रेल लिपि में बदले आसानी से पढ़ सकते हैं।

(6) विविध इन्द्रियों का प्रशिक्षण :—

बाधित बच्चों को बहुइन्द्रिय सहायक दृष्टि सामग्री का उपयोग करने से बहुत लाभ होता है। इनकी इन्द्रियां प्रशिक्षित होती हैं व कौशलों का विकास होता है। इस प्रकार के प्रशिक्षणों में भाषा शिक्षक का बहुत योगदान होता है। टेलीविजन भी सूचना का प्राथमिक स्रोत है जिससे इन्द्रियों का विकास होता है। असमर्थी बच्चों को कम्प्यूटर से भी सहायता मिलती है। इस प्रकार दृष्टि बाधितों के लिये बहुत से ऐसे प्रशिक्षण व कार्यक्रम है जिससे उनकी इन्द्रियों का विकास हो।

Sudden acquaintance brings repentance. ❖

Scanned with CamScanner

आंशिक रूप से दृष्टि बाधितों के लिए शिक्षा व्यवस्था :—

आंशिक रूप से दृष्टि बाधित बच्चों के लिए थोड़ी सी व्यवस्था द्वारा इन्हे सामान्य बच्चों के साथ शिक्षित किया जा सकता है। आंशिक रूप से दृष्टि बाधितों के लिये निम्न प्रकार की व्यवस्था की जा सकती है।

(i) आंशिक रूप से असमर्थी बच्चों को मोटी छापे वाली मुद्रित सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए।

(ii) आंशिक रूप से असमर्थी बच्चों के लिए रोशनी की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए। कक्षा की छतें सफेद तथा दीवारें हल्के रंग की होनी चाहिए तथा उनमें चमक नहीं होनी चाहिए।

(iii) फर्नीचर इस प्रकार का होना चाहिए जो पढ़ते हुए बालक के लिए उपयुक्त हो। इसका रंग भी हल्का होना चाहिए।

(iv) आंशिक रूप से दृष्टि बाधित बालक प्रायः चश्मे व लैंस आदि के प्रयोग द्वारा आसानी से देख सकते हैं।

(v) आंशिक बाधितों एवं औसत बालकों का पाठ्यक्रम एक सा होना चाहिए। अध्यापकों द्वारा ऐसा कोई भी कार्य अधिक नहीं करवाना चाहिए जिससे आँखों पर जोर पड़े।

Scanned with CamScanner

NOTES APPOINTMENTS

16

(vi) आंशिक रूप से दृष्टि बाधित बच्चों को अध्यापक द्वारा कक्षा में आगे बिठाना चाहिए।

(vii) मैग्नीफाइंग शीशा इस प्रकार के बच्चों की सहायता के लिये उपलब्ध होना चाहिए छोटे छापे की मुद्रित पुस्तकों को बड़ा करके पढ़ा जा सके।

(viii) समय - समय पर अध्यापक द्वारा मेडिकल निरीक्षकों को बुलाना चाहिए और आँख संबंधी जानकारियाँ व इलाज उपलब्ध कराये जाने चाहिए।

आंशिक व पूर्ण रूप से दृष्टि बाधितों को शिक्षण में निम्नलिखित अभ्यास कराया जाना चाहिए :—

(i) वस्तु के आकार के बोध हेतु स्पर्श कराया जाये और लम्बाई व चौड़ाई का ज्ञान दिया जाये।

(ii) वस्तु के निरीक्षण में पर्याप्त समय दिया जाय और रंगीन प्रकाश दिया जाए। आकर्षक खिलौनों को पहचानने को दिया जाए।

(iii) उनसे चित्रों, आकृतियों को बनाने के लिए कहा जाये।

(iv) दृष्टि इन्द्रिय में सहयोग का अभ्यास कराया जाये। कागज की आकृति, मिट्टी के बर्तन, खिलौने, रूई की खींचना आदि।

(v) तथ्यों एवं घटनाओं का भी बोध कराया जाये।

(vi) गेंद को पकड़ने व फेंकने का अभ्यास कराया जाए।

Sympathy is the key that fits the lock of any heart. ❖

Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 July

Scanned with CamScanner

17

(vii) विभिन्न प्रकार के प्रकाशों में रखा जाये तथा उनके सम्बन्ध में कुछ कहने और देखने को प्रोत्साहित किया जाये जिससे शब्दावली में वृद्धि होगी।

(viii) स्मृति के विकास में संकेतों का प्रयोग किया जाये।

इन सभी क्रियाओं के अभ्यास से इनमें अधिगम की सक्षमता का विकास होगा।

अध्यापक की भूमिका
(Role of Teacher)

नियमित अध्यापक के पास ब्रेल लिपि सीखने का समय नहीं होता। उन्हें तो कक्षा कक्ष में ही कुछ प्रबन्ध करने पड़ते हैं। एक स्त्रोत अध्यापक की भूमिका भी अहम होती है। वह दृष्टि बाधित बच्चों को पर्याप्त सहायता व निर्देशन देता है। स्त्रोत अध्यापक एक सहायक अध्यापक की तरह कार्य करता है। एकीकृत विद्यालयों में नियमित अध्यापक का कार्य बहुत महत्वपूर्ण होता है।

(i) नियमित अध्यापक को स्त्रोत अध्यापक से परामर्श करके दृष्टि बाधित बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। शिक्षा के नियोजन हेतु विशिष्ट शिक्षा, विशिष्ट विधियों की आवश्यकता होती है और एक स्त्रोत अध्यापक को इनके बारे में पूरा ज्ञान होता है।

❖ The fear of Lord is the beginning of wisdom.

Scanned with CamScanner

(iii) नियमित अध्यापक को दृष्टि बाधित बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए ताकि वे भी दूसरे बच्चों की तरह सीख सकें।

(iii) शिक्षक को सामान्य और दृष्टि बाधित बच्चों में अन्तः क्रिया हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए तथा उनके सम्बन्धों को बढ़ावा देना चाहिए।

(iv) सामान्य शिक्षक को दृष्टि बाधित बच्चों हेतु शिक्षण सहायक सामग्री की व्यवस्था करनी चाहिए।

(v) अध्यापक द्वारा पढ़ाने में सकारात्मक या इन्द्रियगोचर अनुभव का उपयोग करना चाहिए।

(vi) अध्यापक द्वारा ऐसे बच्चों को 'करके सीखना' विधि से पढ़ाना चाहिए व इनकी उपयुक्त सहायता करनी चाहिए।

(vii) दृष्टि बाधित बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह गृहकार्य भी दिया जाये।

(viii) अध्यापक द्वारा जहाँ तक सम्भव हो सके ऐसे बच्चों को विद्यालय की सभी क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और अवसर भी देना चाहिए।

(ix) अशाब्दिक भाषा का प्रयोग न करके शाब्दिक भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

19 (x) शिक्षक को इन बच्चों के लिए कक्षा में समुचित वातावरण व बैठने की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए।

(xi) शिक्षक में धैर्य, आपसी समझ, मेहनती आदि गुण अवश्य होने चाहिए।

(xii) दृष्टि बाधितों को सामान्य बालकों के भाँति अधिगम अनुभव प्रदान किया जाये। समस्याओं का समाधान अलग से किया जाये।

(xiii) शिक्षक को सामान्य बच्चों से दृष्टि बाधितों की प्रत्येक प्रकार की सहायता के लिए कहना चाहिए।

(xiv) दृष्टि बाधित बच्चों को उपयुक्त शैक्षिक व व्यावसायिक निर्देशन प्रदान करना चाहिए।

अतः इस प्रकार एक अध्यापक समाज के निर्माण में अहम् भूमिका निभाता है क्योंकि बच्चे ही तो समाज के मुख्य आधार होते हैं।

❖ Sanely applied advertising could remake the world.

June Tu 1 We 2 Th 3 Fr 4 Sa 5 Su 6 Mo 7 Tu 8 We 9 Th 10 Fr 11 Sa 12 Su 13 Mo 14 Tu 15 We 16 Th 17 Fr 18 Sa 19 Su 20 Mo 21 Tu 22 We 23 Th 24 Fr 25 Sa 26 Su 27 Mo 28 Tu 29 We 30 Th •

Scanned with CamScanner